LOK SABHA

Wednesday, May 18, 1966/Vaisakha 28, 1888 (Saka).

The Lok Sabha met at Eleven of the Clock.

[MR. SPEAKER *in the Chair*]

RE: STATEMENTS ON CERTAIN IMPORTANT MATTERS

Mr. Speaker: Papers to be laid on the Table.

Shri Hari Vishnu Kamath (Moshangabad): Sir, before that, may I submit that more than once in the past you have pulled up ministers, and rightly so, for making a statement in the Rajya Sabha in response to a calling-attention notice but not here in this House. Yesterday, in regard to the incident in the Minister of Works and Housing, Shri Khanna's residence, a statement was made in the other House, but nothing was said here; he refused to say anything here, I have given notice of a calling-attention today also. Why should they make a statement there and not here? They are treating a more important House like this.

Mr. Speaker: I will ask.... (*Interruption*).

श्री मधु लिमये (मुंगेर) : आज अध्यक्ष महोदय, यह आखिरी दिन है । मैं बहुत विनम्रतापूर्वक आप से अर्ज करना चाहता हूं कि चमन लाल के मामले में चालीस लाख रुपया

अध्यक्ष महोदय : मुझे इत्तिला मिल गई है । जब एक मिनिस्टर स्टेटमेंट करे

और मेम्बर को शिकायत हो कि वह दुरुस्त नहीं हुआ है, उसने गलत स्टेटमेंट किया है या उसमें कोई डिसक्रिपेंसी है तो 115 में यह व्यवस्था है कि मेम्बर भी अपनी स्टेटमेंट कर ले और मिनिस्टर भी कर ले । जब वह हो जाये, उसके बाद भी अगर कोई शिकायत हो तो रेग्युलर मोशन आनी चाहिये । यह नहीं हो सकता है कि आप इस तरह से उठ कर कहना शुरू कर दें और मिनिस्टर को इत्तिला भी न हो कि क्या हो रहा है । आप बाकायदा तौर पर मोशन दें, मैं वक्त आपको डिसकस करने के लिए दूंगा ।

श्री मधु लिमये : मैंने प्रस्ताव किया है ।

अध्यक्ष महोदय : मोशन नहीं है ।

श्री मधु लिमये : यह एक विशेषाधिकार का प्रश्न है ।

अध्यक्ष महोदय : विशेषाधिकार नहीं होता है ।

श्री मधु लिमये : इसलिए बनता है .... (*व्यवधान*) अध्यक्ष महोदय, थोड़ा आप चलने तो दें । थोड़ा सा सुन तो लें ।

अध्यक्ष महोदय : ऐसे ही नहीं मैं सुनते जा सकता हूं ।

श्री मधु लिमये : बड़ी मेहनत करके चालीस लाख रुपये की विदेशी मुद्रा की चोरी मैंने निकाली । मंत्री महोदय ने कल स्वीकार किया । कम से कम सदन को जो उन्होंने गुमराह किया उसके लिए वह सदन से माफी तो मांगते, खेद प्रकट तो करते ।

अध्यक्ष महोदय : मेरा काम नहीं है मैं उनसे माफी मंगवाऊं ।

श्री मधु लिमये : मैं इसको सदन में उठाना चाहता हूं ।

अध्यक्ष महोदय : 115 में जब स्टेटमेंट आ जाये तो रेग्युलर मोशन सेंशर का करिये मिनिस्टर के खिलाफ और मोशन लाइये . . .

श्री मधु लिमये : विशेषाधिकार भी तो बनता है ।

अध्यक्ष महोदय, 105 के अन्दर अब मेरा व्यवस्था का प्रश्न आप सुनिये ।

अध्यक्ष महोदय : मैंने कंसिडर किया है । 105 के अन्दर व्यवस्था

श्री मधु लिमये : बनता है । मैं व्यवस्था का प्रश्न उठा रहा हूं । 105 आप देख लें । 105 में कहा गया कि इस सदन के, सदन की समितियों के और सदस्यों के वही अधिकार होंगे जोकि हाउस आफ कामंज के हैं । सदन को वित्त मंत्री ने गुमराह किया है . . .

अध्यक्ष महोदय : अब आप बैठ जाइये ।

श्री मधु लिमये : यह देश हित की बात है । 40 लाख की चोरी मैंने बड़ी मेहनत करके पकड़ी है । मंत्री महोदय ने इसको स्वीकार भी किया । अब आप मुझ को उठाने भी नहीं देते . . .

अध्यक्ष महोदय : मिनिस्टर ने अपना स्टेटमेंट दे दिया है ।

श्री मधु लिमये : खेद प्रकट कहां किया है ? उन्होंने चादर बिछाने की कोशिश की है ।

अध्यक्ष महोदय : खेद प्रकट न करने पर विशेषाधिकार . . .

श्री मधु लिमये : वक्र दृष्टि उन पर कभी आपकी पड़ेगी, कोप दृष्टि उन पर भी कभी पड़ेगी, गुस्से की नजर उन पर भी पड़ेगी या हमारे ऊपर ही पड़ेगी । हमारे साथ कभी तो इनायत करें । मेरा यह कोई निजी मामला नहीं है . . . .

अध्यक्ष महोदय : दो तीन बार कहा है । जो कायदा है, उसके मुताबिक चलना होगा ।

Shrimati Renu Chakravartty (Barrackpore): Why did he not express regret? It gives a misleading impression.

Shri Kapur Singh (Ludhiana): The hon. Member, Shri Madhu Limaye, has twice made a reference to a theft of foreign exchange worth Rs. 40 lakhs. As far as we were able to understand from the statement made by the hon. Minister yesterday, the question of theft by either Messrs Chamanlal & Company or somebody else did not arise; it was merely a question of transmission of foreign exchange by a firm which is residing outside. Shri Chamanlal was only indirectly connected with that transaction and the question of theft did not arise.

Mr. Speaker: Whether it arises or not, I have said . . . (*Interruption*).

Shri Kapur Singh: Therefore, my submission is only this . . . (*Interruption*).

श्री मधु लिमये : चमन लाल का सवाल नहीं है । मंत्री का सवाल है । मंत्री महोदय ने कहा है कि चालीस लाख रुपया मिल गया है । नहीं मिला है ।

Shri S. M. Banerjee (Kanpur): Sir, I have just now been informed by your office that you have kept one call-attention notice, regarding the import of jute to the tune of Rs. 2-1/2 crores illegally, pending. I only want to know whether this will come up today.

Mr. Speaker: I have asked him to make a statement.

Shri S. M. Banerjee: Today is the last day of the session; fortunately,

we are meeting today. May I request you to ask the Labour Minister to make a statement either now or late in the day regarding the proposed retrenchment of 10,000 people from the oil companies. Let him make a statement.

श्री बड़े (खारगोन) : मैं दो बातें कहना चाहता हूं । एक तो जैसे कामत साहब ने कहा है खन्ना साहब वाले मामले में स्टेटमेंट होना चाहिये था । कछवाय साहब उठे भी थे । आज उन पर अटैक हो रहा है कल को हमारे पर भी हो सकता है । राज्य सभा में यह स्टेटमेंट हो गया है । यहां नहीं हुआ है । मैं समझता हूं कि यह अन्याय है जो हमारे साथ हो रहा है ।

दूसरी बात यह है कि मधु लिमये साहब ने जो कहा है मैं उसको पुष्टि देता हूं । जब मिनिस्टर साहब इस तरह की स्टेटमेंट दे देते हैं तो पार्लिमेंट की कहां इज्जत रह जाती है । पार्लिमेंट की प्रतिष्ठा को तो हमें बनाये रखना चाहिये । प्रेस में क्रिटिसिज्म आता है । इस प्रकार से . . .

अध्यक्ष महोदय : प्रेस में आ जाने से वह सही नहीं . . . (व्यवधान) हर एक प्रेस में जो खबर छपती है . . . .

श्री बड़े : मैं कभी नहीं उठता हूं । मैं इस हक में हूं कि पार्लिमेंट का काम चलते रहना चाहिये, इसमें विघ्न नहीं डाला जाना चाहिये । लेकिन इस प्रकार का जब स्टेटमेंट होता है तो खेद तो उनको प्रकट करना चाहिये ।

Shri Hem Barua (Gauhati): I just wanted to draw your attention to a very relevant thing. The Chief Minister of Manipur has disclosed a very startling fact that the Naga hostiles who went to Pakistan for military training and collecting arms are now trying to get through Mizo Hills and cooperating with the Mizo rebels. This is a very disturbing thing. There is no security in that part of our country. I am getting telegram and letters everyday. I want that the Home Minister should make a statement on this. I just wanted to know what measures he has taken to prevent these Naga hostiles from entering into Nagaland through Mizo Hills from Pakistan.

Mr. Speaker: If the Minister can make a statement, he may do it.

11.07 hrs.

STATEMENT *RE.* ATTACK ON MINISTER'S GUNMAN

Shri Hari Vishnu Kamath (Hoshangabad): Is there anything fishy about the incident that occurred in the Minister's residence? Why does he not say anything on that?

The Minister of Home Affairs (Shri Nanda): Yesterday, I was trying to get up to say something on it. I did not make the statement there of my own accord. I had gone there for something else about the Jammu and Kashmir incident. Then, somebody asked me about that and I gave the information that I had with me.

Mr. Speaker: Here also that had been asked.

Shri Nanda: I was thinking of getting up....

Mr. Speaker: If I had been told, I would have called him. I was looking to him. Mr. Khanna was also there. Here also, the Members had asked for the information.

Shri Nanda: I came after the question had been raised. I was told that there was some question about that. I was just getting up. But I could not catch your eye, Sir.

Shri Hari Vishnu Kamath: That is too bad.

Mr. Speaker: If he could not catch my eye, he could catch my ear at least.

Shri Nanda: I am very sorry....